>

Title: Regarding Ujh Multipurpose Project in Jammu and Kashmir.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): चेयरमैन साहब, मैं आपकी परमीशन से एक महत्वपूर्ण मुद्दे की तरफ सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। जम्मू कश्मीर की रावी रिवर की एक ट्रिब्यूटरी है जो इंडस वॉटर ट्रीटी में फॉल नहीं करती है। उसका जो पानी है, वह हमेशा फिजूल में नीचे बहता है, उसका कोई इस्तेमाल नहीं होता। हमने गवर्नमैंट ऑफ इंडिया से रिक्वैस्ट की है क्योंकि वह जम्मू कश्मीर का पहला प्रोजैक्ट होगा जिसे मल्टी परपज़ प्रोजैक्ट कहा जा सकता है। हमने रिक्वैस्ट करके यहाँ से एक डीपीआर बनाने के लिए कहा और डीपीआर के लिए 17 करोड़ रुपये सीडब्लूसी को दिया गया। सीडब्लूसी के जो डायरैक्टर वहाँ बैठे हैं, उन्होंने डेढ़ साल का समय दिया था, वह टाइम बाउंड था। डेढ़ साल की बजाय आज चार साल हो गए हैं। This is very unfortunate कि अभी तक उसकी डीपीआर नहीं बन पायी है। इस प्रोजैक्ट से दो सौ मेगावाट बिजली तैयार होनी है। इससे 80 हजार एकड़ जमीन को पानी मिलना है। इससे पीने के पानी की जो कमी है, वह पूरी होनी है और हजारों बेरोज़गार लोगों को काम मिलना है। मेरा निवेदन है कि सरकार ने जो टाइम तय किया है डीपीआर बनाने के लिए, वह डीपीआर बनाएं। एक अकेला आदमी, डायरैक्टर सीडब्ल्यूसी और कुछ लोग उस पैसे का दुरुपयोग कर रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि उसको कौन चैक करेगा? मंत्री साहब यहां बैठे हैं, वे कृपा करें, क्योंकि डेढ़ साल का जो समय दिया गया था, वह खत्म हो गया है और चार साल हो गए हैं। वह कब तक बन जाएगा और कब तक जम्मू-कश्मीर के लोगों को इसका फायदा मिलेगा?

श्री पन्ना लाल पुनिया (बाराबंकी): मैं अपने आपको माननीय श्री चौधरी लाल सिंह के द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।